की इमारत में पानी जमा नहीं होता है। वहां पखों की व्यवस्था की गयी है। इस इमारत की शीघ्र मरम्मत कराने के लिये कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। आशा है की मरम्मत का काम दो महीनों में पूरा हो जायेगा। बिजली के पुराने तारों को बदलने के प्रश्न की भी जांच की जा रही है ;

Setting up of Telephone Industries

2823. SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether proposal for setting up new telephone industries at various other places in the country is under consideration of the Government;

(b) if so, the places selected for the purpose;

(c) whether Shivpuri or Guna in Madhya Pradesh is one of the places selected for the purpose; and

(d) if not, whether Government will consider Shivpuri or Guna for the setting up of the industry there?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BRIJ LAL VERMA): (a) Yes, Sir.

(b) The final selection of locations has not been made.

(c) Does not arise.

(d) This suggestion will be considered on merits in consultation with the State Government, along with the other proposed sites.

Understanding on Farakka Issue

2824. SHRI M. KALYANASUNDARAM: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Shipping Circles are not happy on the understanding reached between India and Bangladesh on Farakka issue; and

(b) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) and (b). Government is not aware of any reaction in Shipping Circles to the understanding reached with the Bangladesh Government on the Farakka issue.

भारत में समाज कल्याण तथा संस्कृति का प्रचार कर रही विदेशी सरकारें

2825. **श्री हुकमदेव नारायण यादव :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी सरकारें भारत में अपने समाज कल्याण तथा संस्कृति का प्रचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो किन विदेशी सरकारों द्वारा भारत में कौन-कौन सी संस्थाएं चलायी जा रही है ; और

(ग) उन भारतीयों के नाम क्या हैं जो इन संस्थाओं के संरक्षक अथवा सदस्य हैं ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : (क) : जी हां।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक प्रथा के अनुसार भारत स्थित विदेशी मिशनों के सूचना एवं सांस्कृतिक खंड इस देश में अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य कार्यकलाप चलाते हैं।

इसके अलावा, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् निम्नलिखित विदेशी सांस्कृतिक केन्द्रों का प्रबंध करती है / सम्पर्क सूत्र का काम करती है। ये केन्द्र यू० के०, जर्मन संघीय गणराज्य और सोवियत संघ के मिशनों द्वारा चलाये जाते हैं / सहायता दी जाती है :—

1. बंगलौर, भोपाल, लखनऊ, पुणे, पटना, रांची और त्रिवेन्द्रम, इन सात शहरों में ब्रिटिश पुस्तकालयों का प्रशासन।